उज्जैन में आयोजित एनयूजे (आई) की कार्यकारिणी की बैठक में विभिन्न राज्यों से 150 प्रतिनिधि जुड़े। इन प्रतिनिधियों ने एक ओर अपनी राज्य इकाइयों की सालाना रिपोर्ट प्रस्तुत की तो इन इकाइयों की भावी योजनाओं का भी खुलासा किया। लोगों ने एक साथ मंच पर बैठे तमाम लोगों से अपने अनुभवों को भी साझा किया और भविष्य के लिए कई रणनीतियों की चर्चा की

महासचिव श्री कैलाश चंद नायक ने बताया कि संगठन की सदस्य संख्या 1700 तक पहुंच गई है। पत्रकारों की सुविधा के लिए संगठन के कार्यालय को अच्छा बनाया जा रहा है। ओयूजे पत्रकारों पर हमलों के विरोध में पूरे राज्य में प्रदर्शन किए। संगठन की गतिविधियों को लगातार बढ़ाया जा रहा है।

वेस्ट बंगाल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (डब्लूबीयूजे) के अध्यक्ष श्री असीम कुमार मित्रा ने बताया की संगठन की सदस्य संख्या 800 तक पहुंच गई है। उनकी इकाई पत्रकारों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करती है। एनयूजे (आई) के सभी कार्यो में उनकी भागीदारी रहती है।

दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीजेए) की रिपोर्ट डीजेए के महासचिव श्री अनिल पांडे ने पेश की। उन्होंने बताया कि संगठन की सदस्य संख्या 2000 तक पहुंच गई है। एनयूजे के आह्वान पत्रकारों पर हो रहे हमलों के विरोध में और पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर दिल्ली में 25 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया गया। जिसमें सैकड़ों पत्रकारों ने हिस्सा लिया। सुरक्षा कानून बनाने के लिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भी दिया गया। उन्होंने बताया कि पत्रकारों को मेडिकल आपदा प्रबंधन की जानकारी देने के लिए डीजेए और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज ने मिलकर बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में आपात स्थिति में जीवन सुरक्षा के गुर सिखाए गए। डीजेए ने पत्रकारों को सुविधा देने के लिए डीजेए की ओर से नई स्कीम लागू करने की योजना तैयार की जा रही है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अपने विचारों को रखते हुए एनयूजे के अध्यक्ष श्री प्रजानंद चौधरी। साथ में अन्य सदस्य।

हरियाणा यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स (एचयूजे) के अध्यक्ष श्री संजय राठी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि संगठन की सदस्यों की संख्या 1200 से ज्यादा है। एचयूजे पत्रकारों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करता है। सदस्यों का बीमा भी कराया जा रहा है।

गुजरात यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स (जीयूजे) के उपाध्यक्ष श्री हेमंत भट्ट ने बताया कि ने कि पत्रकारों के हमलों के विरोध में संगठन की तरफ से प्रदर्शन किए गए। संगठन का विस्तार करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

चंडीगढ जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (सीजेए) के अध्यक्ष श्री अशोक मलिक ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि एनयूजेआई के सभी कार्यो में संगठन की भागीदारी रहती है। पत्रकारों की सुरक्षा और सुविधाओं की मांग को लेकर आन्दोलन किए गए हैं। संगठन की सदस्य संख्या में लगातार बढ़ रही है।

उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (उपजा) की रिपोर्ट अध्यक्ष रतन दीक्षित ने पेश की। उपजा की सदस्य संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पत्रकारों पर हमलों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में कई जिलों में प्रदर्शन किए गए। पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन कार्य कर रहा है। सदस्यों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

एनयूजे (आई)बिहार के सचिव गगन पांडे ने अपनी रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि सदस्यो की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य को चार हिस्सों में बांट कर योजना बनाई गई है। कई जिलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ झारखंड (जेयूजे) के महासचिव शिवकुमार अग्रवाल ने रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि संगठन की सदस्य संख्या एक हजार से हो गई है। पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग को लेकर राज्य में प्रदर्शन किए गए। पत्रकारों के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मजदूर दिवस पर रांची में प्रदर्शन करके ज्ञापन दिया गया। राज्य के कई हिस्सों में नक्सली गतिविधियों के बावजूद संगठन का विस्तार हो रहा है।

हिमाचल प्रदेश यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के सचिव ने रिपोर्ट पेश की। पंजाब यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के चुनाव कराने की जिम्मदारी एनयूजे उपाध्यक्ष श्री जितेन्द्र अवस्थी के साथ श्री हरेश वशिष्ठ और अवतार सिंह को सौंपी गई। जम्मू-कश्मीर इकाई की जिम्मेदारी अवतार सिंह को दी गई।

बैठक के द्वितीय सत्र की शुरुआत में सीजेए के अध्यक्ष अशोक मलिक और हरेश वशिष्ठ ने दि ट्रिब्यून समाचारपत्र समूह में कर्मचारियों के निकालने के खिलाफ चलाए गए आन्दोलन में एनयूजे के सहयोग की सराहना की। बैठक में एनयूजे आई स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन को सक्रिय करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। स्कूल के चैयरमेन श्री विजय क्रांति को स्कूल के अन्य पदाधिकारियों और गवर्निंग काउंसिल बनाने के लिए अधिकृत किया गया है। बैठक में वरिष्ठ सदस्यों ने स्कूल की गतिविधियों के लिए कई सुझाव दिए।

बैठक में कुछ सदस्यों ने एनयूजे की बेवसाइट न होने पर चिंता जताई। महासचिव ने जल्दी ही एनयूजे की वेबसाइट बनवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वेबसाइट बनाना तो आसान है पर सभी सामग्री जुटा कर बेवसाइट में डालना आसान नहीं है। हम वेवसाइट के लिए सभी पुराने लेख और जानकारी जुटा रहे हैं। इन सभी को बेवसाइट पर डाला जाएगा।

बैठकके तीसरे सत्र में एनयूजेआई केपूर्व अध्यक्ष श्री राजेंद्र प्रभु ने वेजबोर्ड की सिफारिशों के बाद आने वाली समस्याओं को लेकर विस्तृत प्रेजेन्टेशन दिया। बैठक में वेज बोर्ड को लागू करने और अनुबंध प्रथा को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया।

श्री विजय क्रांति ने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर प्रस्ताव पेश किया। इन सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। राष्ट्रीय परिषद का अधिवेशन रांची में आयोजित करने के झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स महासचिव श्री शिवकुमार ने निमंत्रण कार्यकारिणी की बैठक में दिया। उनके निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया गया।